करके देखो

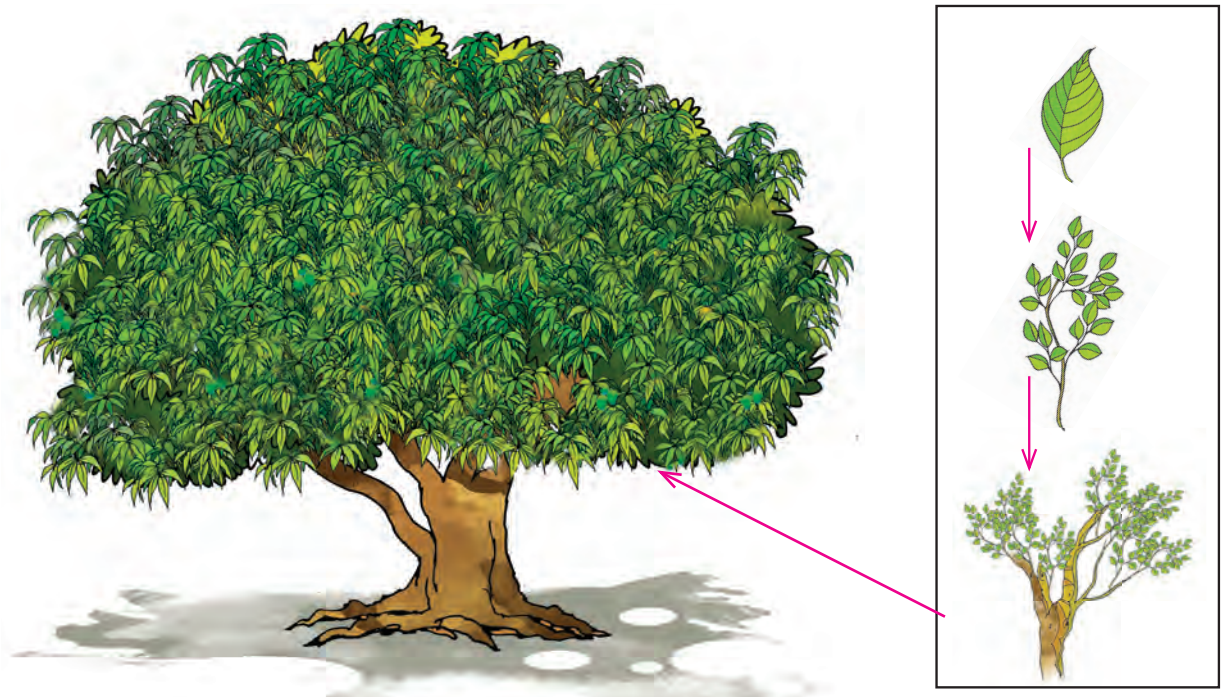

नीचे दिए गए मुद्दों के आधार पर अपने परिसर के किसी बड़े वृक्ष का निरीक्षण करो ।

(१) वृक्ष के विभिन्न भाग कौन-से हैं ?

(२) इनमें कौन-कौन-से घटक (भाग) वृक्ष में अधिक बार दीखते हैं ?

(३) वृक्ष का सबसे छोटा भाग कौन-सा है ? वह किससे जुड़ा हुआ है ?

(४) वृक्ष में बहुत-सी छोटी-छोटी डालियाँ हैं । वे किससे जुड़ी हुई होती हैं ?

(५) वृक्ष के तने में जुड़ी हुई बड़ी डालियाँ कितनी हैं ?

वृक्ष तैयार होने में पत्तियाँ, छोटी डालियाँ, बड़ी डालियाँ, तना तथा अन्य कई घटकों (भागों) की आवश्यकता होती है । हमारा राज्य भी ऐसी ही छोटी बस्तियों, गाँवों, तहसीलों और जिलों से मिलकर निर्मित हुआ है । अगले पृष्ठ पर दिए गए चित्र की सहायता से इसे समझो ।

क्या तुम जानते हो

मनुष्य खेती करने लगा । उसकी खेती पानी के पास होती थी । वह खेत के पास बस्ती बनाकर रहने लगा । इस प्रकार बहुत-सी बाड़ियाँ-बस्तियाँ बन गईं । इन बाड़ियों-बस्तियों के आगे चलकर गाँव बन गए । गाँवों की संख्या बढ़ने पर महानगरों का निर्माण हुआ ।

बताओ तो

नीचे दिए गाँव, तहसील और जिले को अलग-अलग रंग से रँगो ।

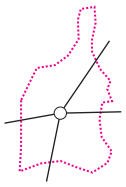

वैरागढ़ गाँव

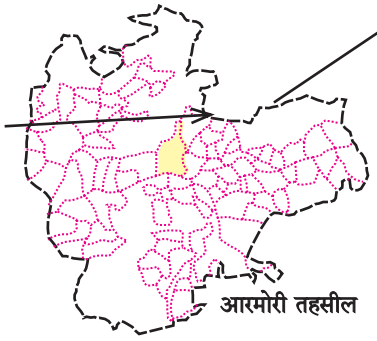

आरमोरी तहसील

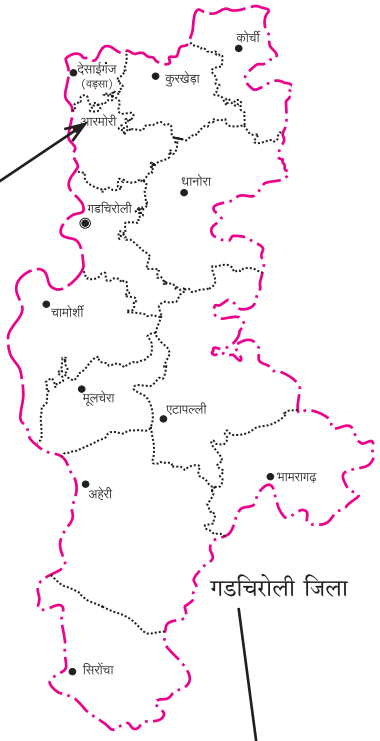

गडचिरोली जिला

- यहाँ दिए गए चित्र द्वारा समझो कि 'गाँव', गाँव से 'तहसील', तहसील से 'जिला' और जिलों से 'राज्य' किस प्रकार निर्मित हुए हैं ।

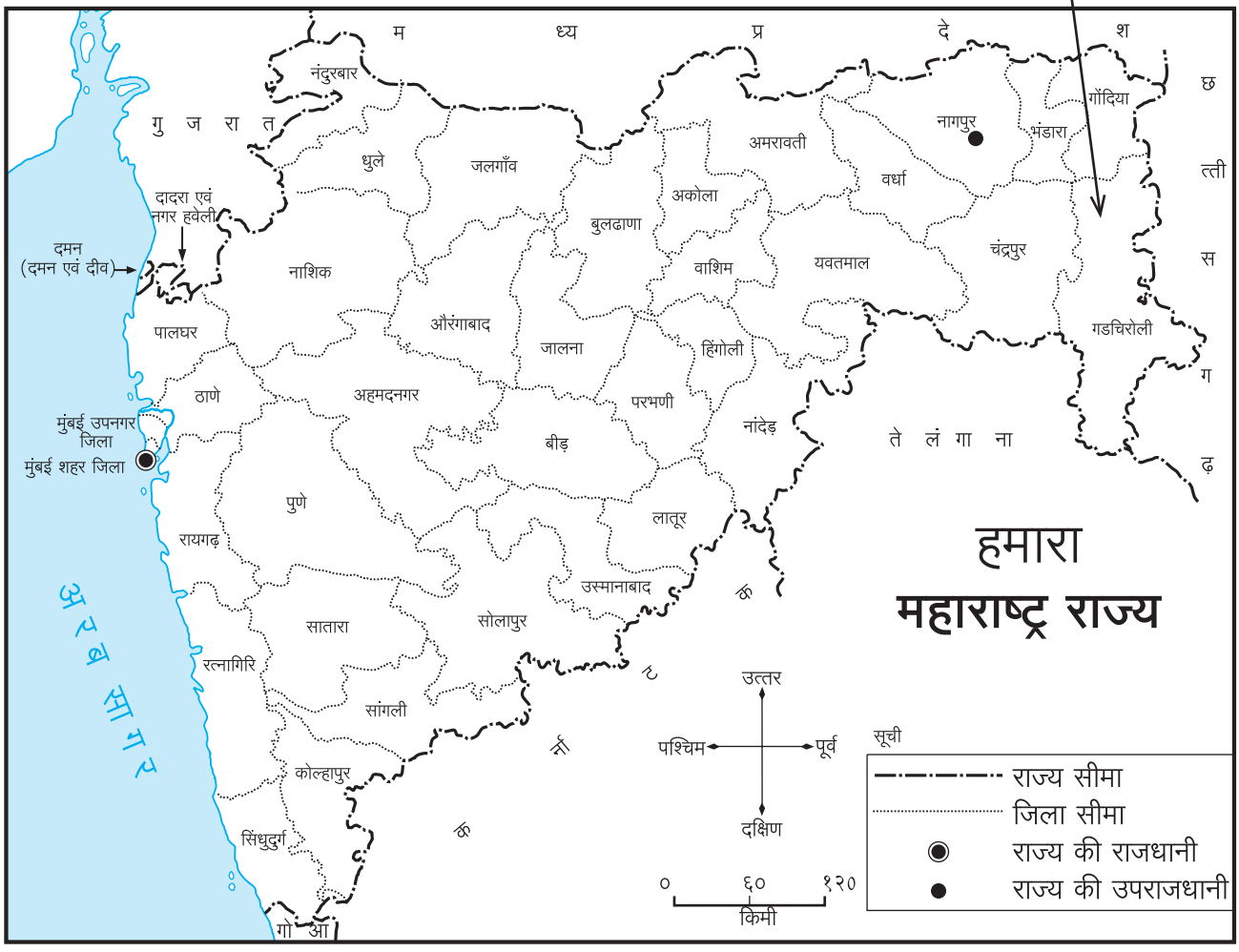

अपने राज्य का प्राकृतिक मानचित्र दिया गया है । इस मानचित्र का ध्यानपूर्वक निरीक्षण करो और प्रश्नों के उत्तर कॉपी में लिखो ।

१. हमारे राज्य में उत्तर-दक्षिण दिशा में फैले हुए पर्वत का नाम क्या है ?

२. इस पर्वत की पश्चिम दिशावाले भूक्षेत्रीय भाग को क्या नाम दिया गया है ?

३. यह भाग किस समुद्र से जुड़ा हुआ है ?

४. सह्याद्रि पर्वत की पूर्व दिशा के ओरवाले भाग को क्या कहते हैं ?

५. हमारे राज्य के उत्तर में स्थित पर्वत का नाम क्या है ?

६. हमारे राज्य की पूर्व दिशा की ओर से पश्चिम की ओर बहने वाली नदी कौन-सी है ?

७. पश्चिमोत्तर की ओर से दक्षिण-पूर्व दिशा की ओर बहने वाली नदी कौन-सी है?

८. उन दो नदियों के नाम लिखो जो सह्याद्रि पर्वत से निकलकर अरब सागर में गिरती हैं ?

९. सह्याद्रि पर्वत से निकलने वाली तथा पूर्व की ओर फैली हुई पर्वतश्रेणियाँ खोजो । उनके नाम लिखो ।

१०. मानचित्र के किन्हीं तीन बाँधों के नाम लिखो ।

११. ये बाँध किन नदियों पर बनाए गए हैं ?

१२. सह्याद्रि पर्वत के घाटों के नाम लिखो ।

क्या तुम जानते हो

१. मुंबई महाराष्ट्र राज्य की राजधानी है । नागपुर महाराष्ट्र की उपराजधानी है ।

२. प्राकृतिक रचना के आधार पर महाराष्ट्र राज्य के तीन प्रमुख विभाग हैं । तटीय क्षेत्र, पर्वतीय क्षेत्र, पठारी क्षेत्र ।

३. महाराष्ट्र की सबसे लंबी नदी गोदावरी है ।

४. महाराष्ट्र के उत्तरी भाग में सतपुड़ा पर्वत है । आस्तंभा इस पर्वत शृंखला का सबसे ऊँचा शिखर है ।

५. सह्याद्रि पर्वत को 'पश्चिमी घाट' भी कहते हैं । कलसूबाई इस पर्वत का सबसे ऊँचा शिखर है ।

६. राज्य की पश्चिम दिशा में अरब सागर है।

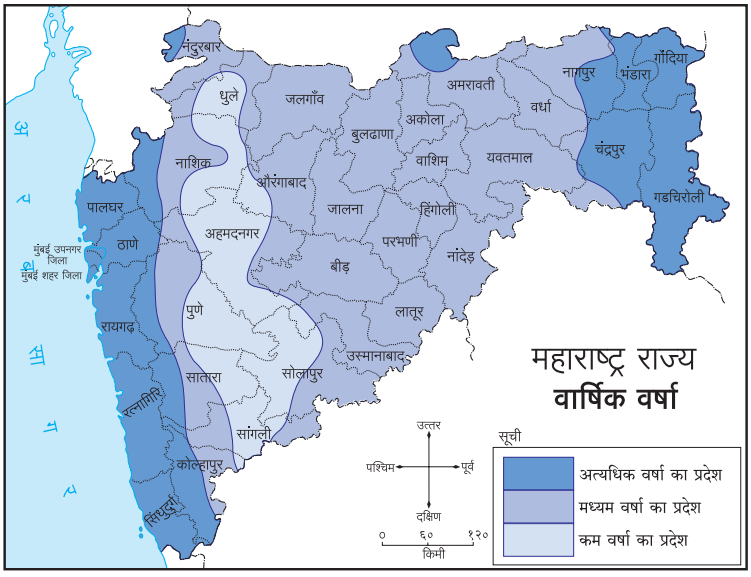

बताओ तो

ऊपर दिए गए मानचित्र में हमारे राज्य के अधिक, मध्यम तथा कम वर्षावाले क्षेत्र दिखाए गए हैं। खेती पर वर्षा का प्रभाव पड़ता है । अगले पृष्ठ पर एक तालिका दी गई है । उसमें अधिक, मध्यम और कम वर्षावाले क्षेत्रों की फसलें दी गई हैं । मानचित्र और तालिका के आधार पर निम्नलिखित कृतियाँ पूर्ण करो।

पिछले पृष्ठ पर दिए गए वर्षा के मानचित्र तथा नीचे दी गई फसलों की तालिका देखो । उसके आधार पर महाराष्ट्र के किन क्षेत्रों में कौन-सी फसलें उगाई जाती हैं, उन्हें ज्ञात करो । नीचे मानचित्र दिया गया है। उसमें सूची दी गई है । संकेतों का उपयोग करके इस मानचित्र में वर्षा के अनुसार फसलों का वितरण दिखाओ ।

वर्षावाले क्षेत्र एवं मुख्य फसलें		
अधिक	**मध्यम**	**कम**
भात/धान	अरहर सोयाबीन	ज्वार बाजरा मोठ

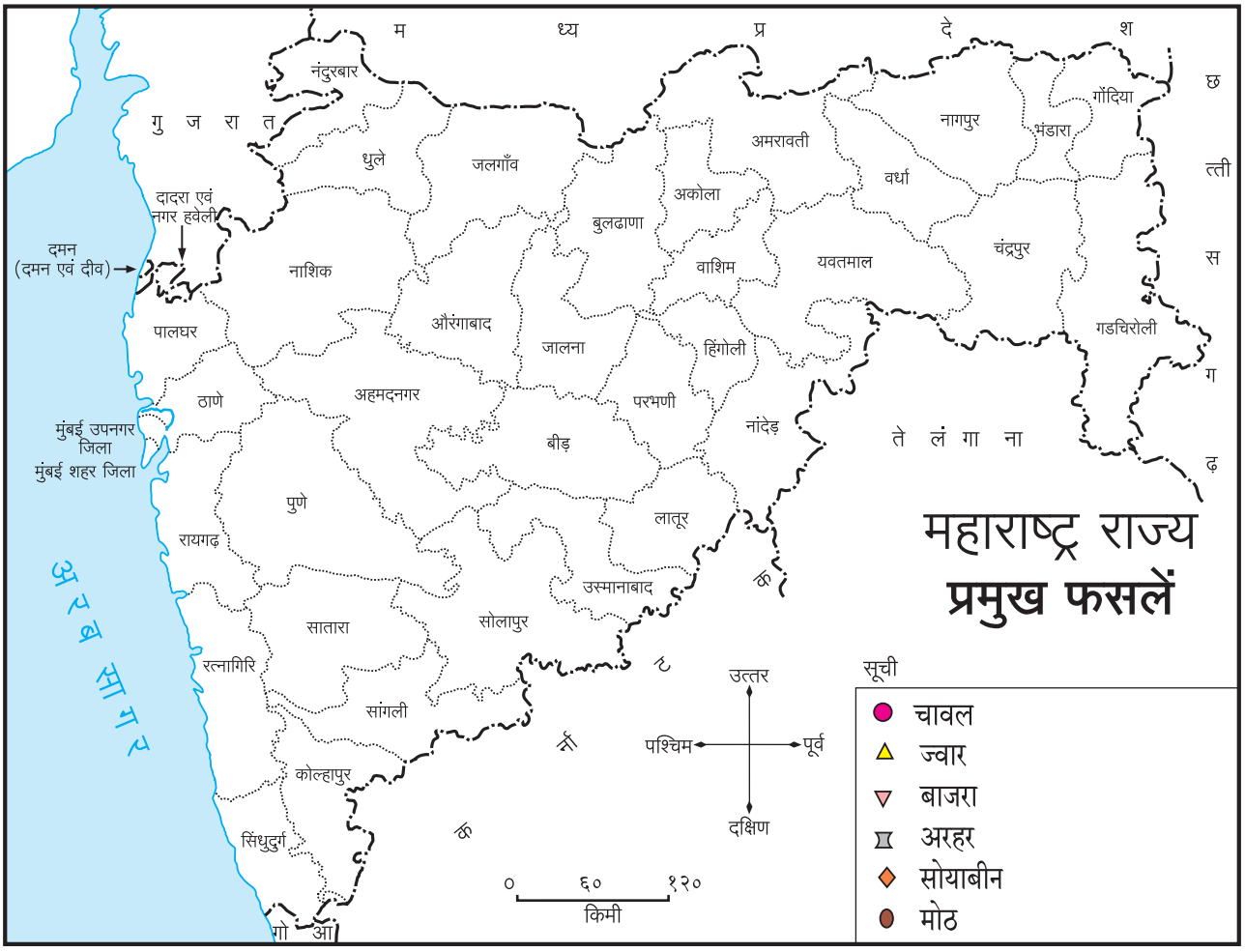

खेतों की फसलों का उत्पादन जलवायु, मिट्टी तथा पानी की उपलब्धता पर निर्भर होता है । महाराष्ट्र में विभिन्न क्षेत्रों में कम-अधिक वर्षा होती है । इसलिए फसलों के संबंध में विविधता पाई जाती है । महाराष्ट्र का मुख्य व्यवसाय खेती है । राज्य की अधिकांश खेती वर्षा के पानी पर निर्भर है । इसे असिंचित या बारानी खेती कहते हैं । कुछ स्थानों पर सिंचाई द्वारा जल आपूर्ति करके कुछ अनुपात में खेती की जाती है । उसे सिंचित खेती (बागवानी खेती) कहते हैं ।

वर्षा के समय होने वाली फसलों को 'खरीफ की खेती' कहते हैं । शीतकाल में की जाने वाली खेती को 'रबी की खेती' कहते हैं ।

बताओ तो

- **मानचित्र का निरीक्षण करके उसके नीचे दी गई कृति करो ।**

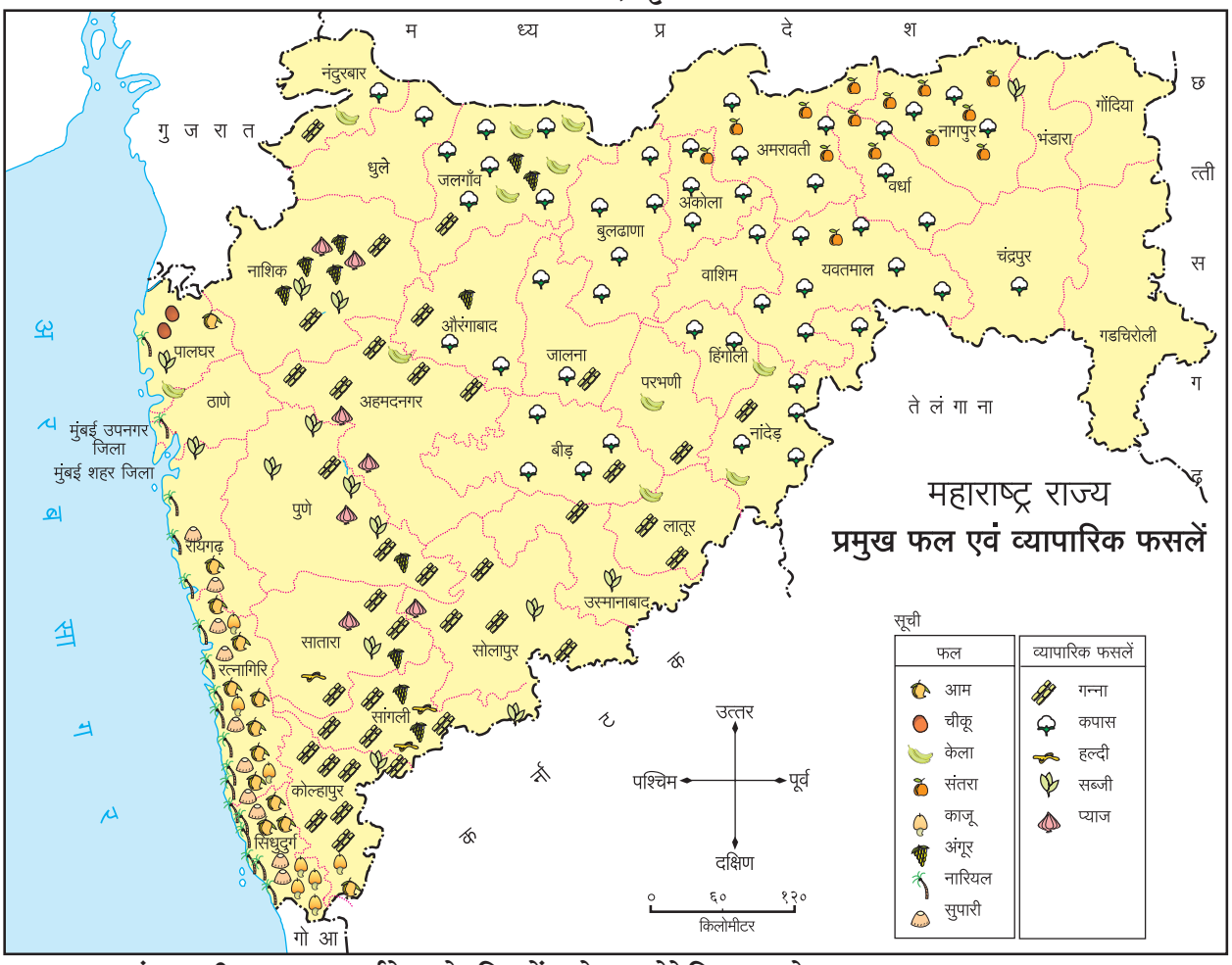

(१) अंगूर की फसल दर्शानेवाले जिलों को अधोरेखित करो ।

(२) कपास की फसल दर्शानेवाले जिलों के चारों ओर ◯ बनाओ ।

(३) ठाणे जिले की फसलों के संकेतों के चारों ओर ◯ बनाकर कॉपी में उनके नाम लिखो ।

(४) अंकन करो कि नारियल की फसल किन जिलों में अधिक होती है ।

(५) संतरे की फसल कौन-से जिलों में पैदा होती है; उन्हें खोजो और अलग रंग में रँगो ।

ऊपर की सभी फसलें सिंचाई पर निर्भर हैं । जलवायु तथा मिट्टी के अनुसार उनका वितरण दिखाई देता है। इन्हें व्यापारिक अथवा नकदी फसलें कहते हैं । इन फसलों के लिए रासायनिक उर्वरकों तथा औषधियों का उपयोग किया जाता है।

इसे सदैव ध्यान में रखो

फसलों से अधिक उत्पादन प्राप्त करने के लिए लोग रासायनिक उर्वरकों और औषधियों का अधिक अनुपात में उपयोग करने लगे हैं परंतु इससे मिट्टी का प्रदूषण बढ़ता है । हमें रासायनिक उर्वरकों का कम-से-कम उपयोग करना चाहिए । कार्बनिक खादों का उपयोग करना चाहिए। इससे पर्यावरण की क्षति को नियंत्रित किया जा सकेगा ।

करके देखो

(१) किसी खेत/बागान को देखने जाओ । वहाँ अलग-अलग समय में बोई गईं फसलों की सूची तैयार करो ।

(२) फसलों की सिंचाई की कौन-सी सुविधाएँ हैं, किसान के साथ इसपर चर्चा करो ।

(३) खेती पर किन-किन बातों का प्रभाव पड़ता है, उसकी जानकारी लो ।

- तुम्हें यह ज्ञात होगा कि एक ही खेत में कई प्रकार की फसलें उगाई जाती हैं । खेती के लिए पानी की उपलब्धता अत्यावश्यक है ।

थोड़ा सोचो

नीचे हमारे राज्य के प्रशासकीय विभाग दिए गए हैं । उनका निरीक्षण करके राज्य के मानचित्र में इन विभागों को अलग-अलग रंगों में रँगो ।

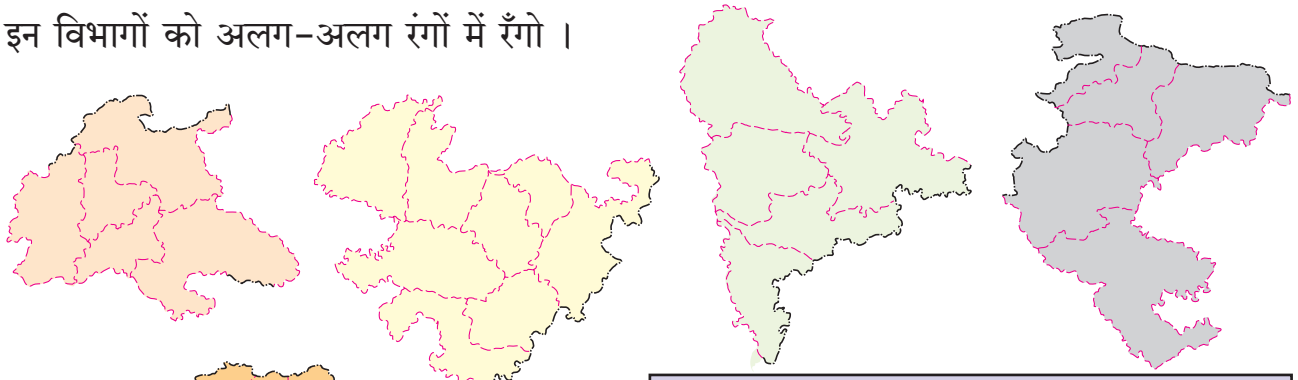

शिक्षकों के लिए
१. प्रशासकीय विभाग की संकल्पना सिखाना अपेक्षित नहीं है ।
२. जहाँ आवश्यक हो, वहाँ मार्गदर्शन करें ।

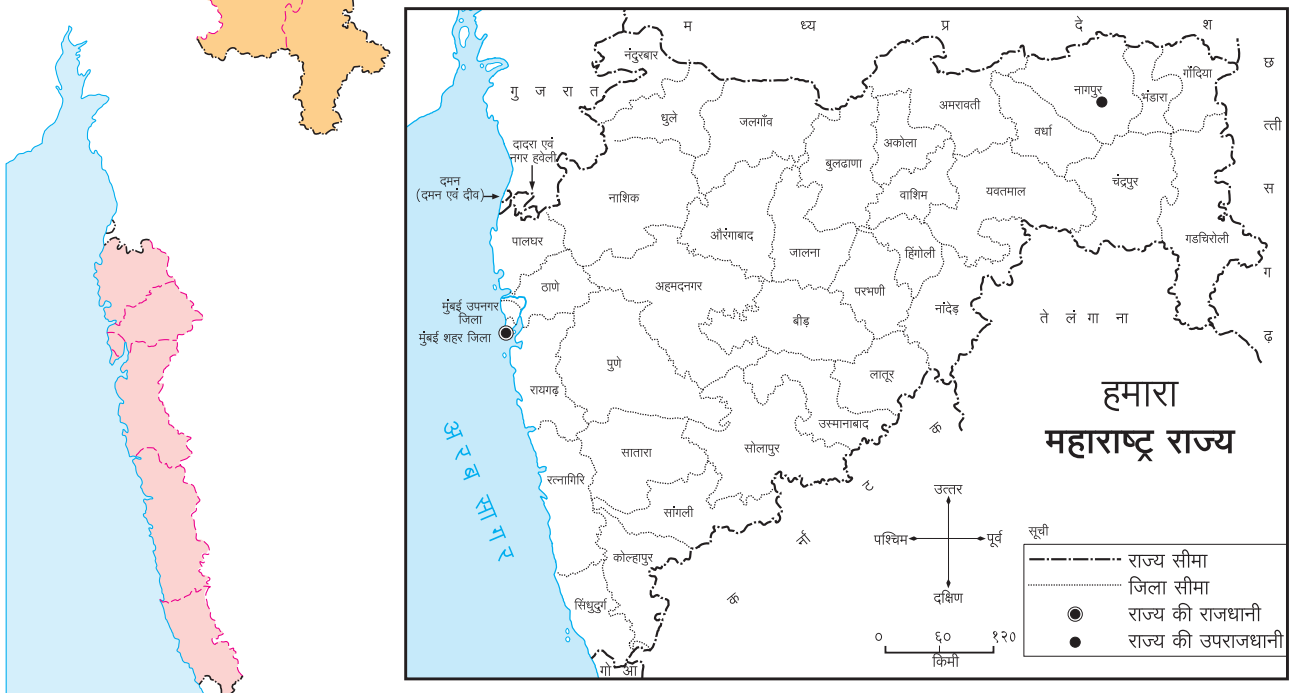

भाषा तथा भाषा की बोलियाँ :

महाराष्ट्र राज्य का निर्माण १ मई १९६० के दिन हुआ । भारत के राज्यों का निर्माण भाषाओं के आधार पर किया गया है । 'मराठी' महाराष्ट्र की राजभाषा है । भाषा के संबंध में महाराष्ट्र में समानता और विविधता भी दीखती है । अलग-अलग क्षेत्रों में मराठी भाषा के शब्दों के उच्चारण में भिन्नता पाई जाती है । इसलिए हमारे राज्य में बोली-भाषा के संबंध में विविधता पाई जाती है। इस विविधता को हमें सहर्ष स्वीकार करना चाहिए ।

विभिन्न क्षेत्र	मराठी की कुछ बोलियाँ
कोकण	कोकणी, मालवणी
विदर्भ	वरहाड़ी
खानदेश	अहिराणी (खानदेशी)

गोरमाटी, कोलामी, कोरकू इत्यादि महाराष्ट्र की आदिवासी जनजातियों की पारंपरिक बोली भाषाएँ हैं ।

बताओ तो

परंपराओं के अनुसार हमारे राज्य के पर्वों, उत्सवों में विविधता पाई जाती है । दीपावली, दशहरा, क्रिसमस (बड़ा दिन), ईद इत्यादि पर्व सभी लोग मनाते हैं। कोकण में मुख्य रूप से नारियल पूर्णिमा, होली, गणेशोत्सव आदि पर्व मनाए जाते हैं । इसके विपरीत पठारी क्षेत्रों में दशहरा, दीपावली, बैलपोला आदि पर्व बड़े पैमाने पर मनाए जाते हैं । १५ अगस्त और २६ जनवरी ये दोनों राष्ट्रीय पर्व पूरे देश में उत्साह के साथ मनाए जाते हैं ।

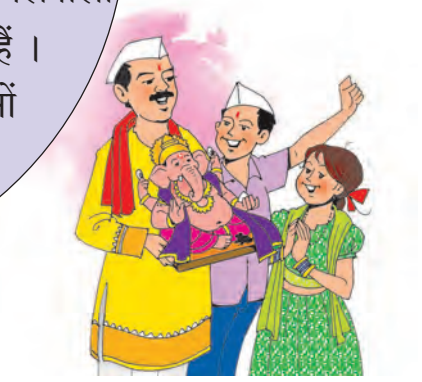

अब क्या करना चाहिए

सुधीर और स्वप्निल तुम्हारे गाँव में आए हैं । उन्हें अपने जिले का कोई प्रसिद्ध खाद्यपदार्थ गाँव ले जाना है । तुम उन्हें कौन-सा खाद्यपदार्थ दोगे ?

थोड़ा सोचो

- गाँव, तहसील, जिला, राज्य तथा देश ये सब मानव निर्मित हैं या प्राकृतिक, इसे ज्ञात करो।

हमने क्या सीखा

- अपने राज्य की प्राकृतिक रचना ।
- जलवायु, मिट्टी तथा पानी की उपलब्धता के अनुसार फसलों में पाई जाने वाली विविधता ।
- मराठी राजभाषा तथा मराठी भाषा की बोलियाँ ।
- पर्वों तथा उत्सवों की विविधता ।

स्वाध्याय

(अ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखो :

(१) महाराष्ट्र में संतरे की फसल किन क्षेत्रों में उगाई जाती है ?
(२) राज्य के किन क्षेत्रों में नारियल, सुपारी तथा आम की फसलें उगाई जाती हैं ?
(३) अपने परिसर की मराठी भाषा की बोलियों के नाम लिखो ।
(४) महाराष्ट्र राज्य के पूर्वी भाग में उत्तर से दक्षिण की ओर बहने वाली नदी कौन-सी है ?
(५) राज्य के किन जिलों में बाजरे की फसल उगाई जाती है ?
(६) अपने राज्य में '१ मई' का उत्सव किस रूप में मनाया जाता है ?

(आ) कृति करो : अपनी पसंद के किसी पर्व-उत्सव का चित्र बनाओ :

I2ALWC

उपक्रम

- तुम्हारे जिले की जलवायु कैसी है; इसे समझो । उसके अनुसार अंकन (नोट) करो कि जिले में पैदा होने वाली प्रमुख फसलें कौन-सी हैं ।

***